मिलर महथा आदर्श महाविद्यालय, कहेड़ी, दरभंगा
(L.N.M.U)

मैथिली प्रतिष्ठा
स्नातक तृतीय खण्ड
पंचम पत्र - मैथिली साहित्यक इतिहास
आधुनिक काल मात्र

नरेश कुमार
सहायक प्राचार्य
मैथिली विभाग
दिनांक 01/10/2020

व्याख्यानक संक्षिप्त अंश (चारिम भाग)

प्रश्न :- स्वातंत्र्योत्तर मैथिली कथा साहित्य पर निबन्ध लिखू।

उत्तर :- ..... वस्तुत: परिवार - नियोजन, सस्तौआ लोकप्रियताक इच्छुक नेता, दोसरासँ जरैत, सस्तौआ प्रतिष्ठा लए बेहाल कवि जी आदि सामाजिक चरित्र थिक। किछु नवीन कथाकार छथि सुभाष चन्द्र यादव, श्री महाप्रकाश आदि। श्री यादव जीक 'डर' तऽ कथा नहिए मानल जाय से उचित किन्तु आगाँ जाय जे हुनक कलम माँजल भए गेल तकर प्रतीक अछि - 'जासूस कुकुर आ चोर'। श्री महाप्रकाश सोचैत छथि नीक जकाँ किन्तु मेघक पार एकटा सूर्य' मे जेना सोझेसोझ चिन्तनपूर्ण प्रेम पत्रकेँ प्रस्तुत करैत छथि तेना 'पैघसँ पैघ कथा' बनाव गुणा भाग आ शेष कथा पर्यन्त नहि। अन्य लेखक मे श्री गौरीकान्त चौधरी उल्लेखनीय छथि। श्री शशिकान्त जीक वृहत कथा भण्डार पर एतके समय मे किछु कहल कठिन। हिनक सभसँ पैघ विशेषता छन्हि शैलीक सरलता मे ओ समसामयिक चेतनता मे। डॉ० दिनेश कुमार झा तथा डा० इन्द्रकान्त झाक नाम सेहो उल्लेखनीय अछि। तरुण वर्गक कथाकारमे मायानन्द मिश्र प्रधान छथि। हिनक कथा - संग्रह 'आगि मोम आ पाथर नाम सँ प्रकाशित भेल अछि। एहि कोटिक कथाकारमे श्री रामदेव जी....

P.T.O

सेहो कम ख्याति नहि प्राप्त कएलन्हि अछि। हिनक कथा-संग्रह 'एक खीरा तीन फाँक' आ 'मनुक्ख सन्तान' नामे प्रकाशित अछि। एकर अतिरिक्त जे नवीन कथाकार सभ छथि ओहिमे रमानन्द 'रेणु', राजमोहन झा, गोविन्द झा, अरविन्द प्रताप सिंह, श्री गंगाधर कुमार आदि प्रमुख छथि।

मैथिली साहित्यक कथा त' स्वतंत्रता प्राप्तिक पश्चात् एतेक विस्तृत भए गेल अछि जे सम्यक् समीक्षा करब असंभव अछि। एहि विकासक परम्परासँ मैथिली साहित्य समृद्ध भेल अछि आओर होइत रहत। कथा साहित्यक ई विकास सर्वतोमुखी अछि एवं जीवनक विविध पक्षपर प्रकाश पड़ैत अछि।

end

01/10/2020